सांध्य दैनिक 4PM

मैं इस बात पर जोर देता हूं कि मैं महत्वाकांक्षा, आशा और जीवन के प्रति आकर्षण से भरा हुआ हूं। पर मैं जरूरत पड़ने पर ये सब त्याग सकता हूं और वही सच्चा बलिदान है।

-भगत सिंह

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 149 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 5 जुलाई, 2022

अग्निपथ योजना युवाओं को ठगने... 2 | योगी राज में दूसरे राज्यों को... 3 | कानपुर में बुजुर्ग दंपति की गला... 7

सपा के सदस्यता अभियान का आगाज, अखिलेश बोले

लोकतंत्र बचाने के लिए जाएंगे जनता के बीच

भाजपा सरकार को पांच साल और सौ दिन का देना चाहिए हिसाब, सपा के कामों का काट रही फीता

» नीतियों और उपलब्धियों को लेकर जाएंगे हर शहर और गांव, जारी रहेगा अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज पार्टी के सदस्यता अभियान का आगाज किया। उन्होंने कहा कि हम लोकतंत्र बचाने के लिए जनता से सहयोग लेंगे और जनता के बीच जाएंगे। साथ ही उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को पांच साल सौ दिन का हिसाब देना चाहिए। यह सरकार सपा के कामों का फीता काट रही है।

उन्होंने कहा कि पार्टी हर वर्ग के बीच पहुंचेगी। भाजपा से परेशान लोग हमारे साथ हैं। हम शहरों के साथ गांव तक जाएंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता अभियान को नेतृत्व करेंगे। सदस्यता अभियान के बाद कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। उन्होंने इशारों-इशारों में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार की उपलब्धि की पोल तब खुल गयी जब उनके डिप्टी सीएम लखनऊ छोड़कर गए और जब वापस आए तो पता चला कि उनसे बिना पूछे ही तबादले हो गए। ये वही डिप्टी सीएम हैं जिन्होंने खूब छापे मारे, खामियां भी मिलीं लेकिन कार्रवाई नहीं कर पाए। इससे साफ है कि कुछ ताकतें हैं जो पीछे से सरकार चला रही हैं। यूपी में भ्रष्टाचार और अन्याय चरम सीमा पर है। प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि दारोगा भर्ती में हुई धांधली है। जो जेल में थे वे भी भर्ती हो गए। यह सरकार सपा के कार्यों का फीता काट रही है। लखनऊ में लूलू मॉल का उद्घाटन किया जा रहा है, यह सपा के समय बना। इस दौरान अखिलेश यादव ने भी पार्टी की सदस्यता ली।

जातीय जनगणना कराए सरकार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को जातीय जनगणना करानी चाहिए। यह उनकी बड़ी उपलब्धि हो जाएगी। जातीय जनगणना नहीं होने से लोग जातियों में भेदभाव पैदा कर रहे हैं। इससे सरकार को काम करने और उन तक अपनी नीतियों को पहुंचाने में सरलता होगी। सपा अग्निपथ भर्ती योजना के पक्ष में नहीं है। सेना में जो व्यवस्था पहले थी वही लागू होनी चाहिए।

ईडी और सीबीआई का भाजपा कर रही दुरुपयोग

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार में थी तो ईडी और सीबीआई का दुरुप्रयोग करती थी अब उसी रास्ते पर भाजपा चल रही है। महाराष्ट्र में तो स्वीकार भी कर लिया है कि वहां ईडी की सरकार है। भाजपा इस संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। प्रदेश में चुनाव में बड़े पैमाने पर बेईमानी की गयी। सपा समर्थकों को वोट नहीं डालने दिया गया।

सीएम योगी ने की पौधरोपण अभियान की शुरुआत, कहा

प्रकृति की रक्षा सबकी जिम्मेदारी

» पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वालों को भी किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज धर्मनगरी चित्रकूट पहुंचे। सीएम ने जिले में हरिशंकरी प्रजाति का पौधा रोप कर प्रदेश में पौधरोपण अभियान की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी समस्या ग्लोबल वार्मिंग है। हर इंसान को प्रकृति की रक्षा करने के लिए पौधरोपण जरूरी है। चित्रकूट की धरती से यह संदेश पूरे प्रदेशवासियों को दिया गया है कि पर्यावरण संरक्षण से ही मानव प्रजाति सुरक्षित रहेगी। प्रकृति की रक्षा सबकी जिम्मेदारी है।

इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वालों और सरकारी योजनाओं के 10 पात्रों को मंच से सम्मानित किया और कई योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

वीवो समेत चीनी मोबाइल कंपनियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, हड़कंप

» उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में एक साथ की गई कार्रवाई

» वित्तीय अनियमितताओं का मामला आया था सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीनी स्मार्टफोन मोबाइल निर्माता वीवो व उससे संबंधित कंपनियों के खिलाफ आज ईडी ने बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीम ने देशभर में वीवो व उससे संबंधित कंपनियों के 44 ठिकानों पर छापेमारी की। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में एक साथ यह कार्रवाई की गई है।

यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है। इसी साल मई में चीनी फर्म जेडटीई कॉर्प और वीवो को वित्तीय अनियमितताओं के चलते जांच का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा शाओमी कॉर्प भी जांच के दायरे में है। इससे पहले वीवो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का गुरुग्राम स्थित एचएसबीसी बैंक का खाता अटैच कर एसजीएसटी विभाग ने 220.13 करोड़ की वसूली की थी।

क्या है मामला

फरवरी से सितंबर 2020 तक कंपनी की ओर से दाखिल की गई जीएसटी रिटर्न की जांच कराई गई थी। डाटा मूल्यांकन के आधार पर पता चला कि दाखिल रिटर्न से 110.06 करोड़ रुपये अधिक का आईटीसी क्लेम किया गया है। अनियमितता के आधार पर सेक्टर ऑफिसर की ओर से कंपनी को धारा-74 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब न मिलने पर उपायुक्त खंड-2 गौतमबुद्ध नगर जितेंद्र प्रताप सिंह ने कंपनी के खिलाफ 7 अप्रैल 2021 को आदेश जारी कर आईटीसी की राशि के साथ उतनी ही जुर्माना राशि मिलाकर 220.13 करोड़ रुपये जमा कराने का आदेश जारी किया था। आदेश के खिलाफ कंपनी उच्च न्यायालय में रिट याचिका दाखिल की थी लेकिन न्यायालय की तरफ से कोई राहत नहीं मिली।

अग्निपथ योजना युवाओं को ठगने की योजना : जयंत चौधरी

» सरकार मजबूर है या किसी के हाथ में चली गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि आज देश का ज्वलंत मुद्दा अग्निपथ योजना है। कहा कि सरकार से सवाल पूछना चाहिए कि यह फैसला किस से पूछकर लिया गया। सरकार मजबूर है या किसी के हाथ में चली गई है। अग्निपथ योजना युवाओं को ठगने की योजना है। सरकार 60 लाख नौकरी के खाली पड़े पद भर नहीं पाई और योजना अग्निपथ ले आई। सरकार इस योजना के माध्यम से किसान व युवा की कमर तोड़ने का काम कर रही है। बिजनौर में युवा पंचायत में चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि नौजवान सड़कों पर दौड़कर पसीना बहाकर सेना में जाता था। वह और उसका परिवार गर्व करता था।

अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि वह चार साल में न तो ट्रेनिंग पूरी कर पाएगा और न ही सही तरीके से देश सेवा कर पाएगा। दसवीं पास युवा चार साल में सेवानिवृत्त होकर घर आएगा, तो वह अंडर ग्रेजुएट फिर कैसे रोजगार पाएगा। सरकार इन चार साल में ऐसी कौन-सी डिग्री या अन्य प्रोफेसनल कोर्स करा देगी, जो वह चार साल बाद घर आकर आसानी से नौकरी कर पाएगा। रालोद शुरू से ही इस योजना का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी भीषण गर्मी में जब सब राजनीतिक दल आराम कर रहे हैं, तो वह और उनकी पार्टी युवाओं के साथ खड़ी है। मेरा दायित्व बनता है कि मैं युवाओं के लिए सरकार द्वारा थोपे जाने वाले गलत निर्णय का विरोध करूं, क्योंकि आप लोगों ने जो मेरे सिर पर पगड़ी बांधकर मुझे जिम्मेदारी दी है। उसका पालन करते हुए 40 डिग्री से ऊपर के तापमान में युवा पंचायत कर अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे हैं और जब तक योजना वापस नहीं ली जाती, तब तक जारी रहेगी। उन्होंने सरकार से कहा कि चार साल की जगह 15 साल की नौकरी दे। रिक्त पड़े सरकारी 60 लाख पदों को शीघ्र भरा जाए। सरकार अपने चुनावी मुद्दों को पूरा करे।

दमनकारी नीतियां अपना रही सरकार

रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि सरकार दमनकारी नीतियां अपना कर क्रूरता का परिचय दे रही है। बहावड़ी की घटना इसी का परिणाम है। उनकी संवेदना पीड़ित परिवार के साथ है और उनकी मांग का पुरजोर समर्थन करते हैं। पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार दमनकारी नीति अपना रही है। यह सरकार निर्माण तो करा नहीं पा रही है। वर्षों पहले के निर्माण पर बिना सुनवाई व नोटिस दिए बुलडोजर चलवा रही है। बुजुर्ग हरदन सिंह के परिवार की समाज में अच्छी छवि है। गांव के विकास में योगदान भी है। इसके बावजूद परिवार के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ। सरकारी बुलडोजर चल रहा था, उस दौरान हरदन सिंह की तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। इस घटना के समय मौके पर मौजूद अधिकारी भी दोषी हैं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वे पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई में उनके साथ हैं।

भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही सरकार

» यूपी में माफिया अपराधियों की 844 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानून व्यवस्था के मामले में 100 दिन की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंकड़ों से यह संदेश भी देने का प्रयास किया कि भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति पर भी सरकार ने अपनी रफ्तार बढ़ा दी है। उन्होंने दावा किया कि पहली बार ऐसा है, जब सड़क पर अलविदा की नमाज बंद हो गई। सड़क पर न ईद के कार्यक्रम होते हैं और न ही रामनवमी के। हालांकि मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को जनविश्वास, जनसहयोग और सामंजस्य का परिणाम बताया। योगी सरकार-2.0 के 100 दिन पूरे होने पर सीएम ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज स्थापित हो, इस दिशा में जो प्रयास किए गए, उससे उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है।

सरकार ने 844 करोड़ रुपये की माफिया और पेशेवर अपराधियों की संपत्तियों को जब्त करके अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर प्रस्तुत किया है। 2017 से अब तक 2,925 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। अवैध पार्किंग और टैक्सी स्टैंड हटाने के लिए इस अवधि में विशेष अभियान चलाया गया। नगर निकायों ने मिलकर प्रदेश को व्यवस्थित स्वरूप दिया है। 68,700 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए हैं और 76 हजार से अधिक अवैध पार्किंग स्थल मुक्त कर दिए। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हुआ है कि धर्म स्थलों से माइक हट जाएं और अनावश्यक शोरगुल से लोगों को मुक्ति मिले। दावा किया कि 1,20,000 से अधिक लाउडस्पीकर हटाए गए या उनकी आवाज को कम किया गया। यह बिना किसी हो-हल्ला के स्वतः स्फूर्त भाव के साथ हुआ। यह जनविश्वास का ही प्रतीक है कि समाज के प्रत्येक तबके ने इस काम का पूरा समर्थन किया। योगी ने कहा कि पाक्सो एक्ट के तहत अपराधियों को न केवल सजा दिलाई गई, बल्कि प्रभावी पैरवी कर उन्हें कठघरे में भी खड़ा किया गया।

अयोध्या में अशोक सिंहल व कल्याण सिंह के नाम पर वार्ड, डीएम ने भेजा प्रस्ताव

» अयोध्या में नगर निगम के नए परिसीमन व वार्डों के नामकरण में बड़ा बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। नगर निगम के नए परिसीमन व वार्डों के नामकरण में बड़ा बदलाव हुआ है। राम मंदिर आंदोलन के नायकों में शामिल विहिप के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंहल, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जैसी हस्तियों के नाम से भी यहां के वार्डों का नामकरण किया गया है। इसके अलावा मंदिर आंदोलन के सूत्रधारों में रहे महंत अभिरामदास के नाम से भी वार्ड बनाया गया है। अहम बात यह है कि यहां वार्डों के नामकरण में प्रयुक्त होने वाले नवाबकालीन नामों व शब्दावली को हटा दिया गया है।

जिला प्रशासन ने नए सिरे से नगर निगम का परिसीमन कर इसे शासन को भेज दिया है, जिसमें कुल 60 वार्ड हैं। बहूबेगम वार्ड अब प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नाम से जाना जाएगा। मंदिर आंदोलन के शलाका पुरुष महंत रामचंद्र परमहंस के नाम पहले से ही वार्ड है। परिवर्तन के तहत दिल्ली दरवाजा वार्ड का नाम बदल कर विक्रमादित्य नगर किया गया है। राठहवेली का नाम शहीद वीर अब्दुल हमीद के नाम पर तथा बेगमगंज गढ़ैया वार्ड का नाम अंबेडकरनगर हुआ है।

योगी सरकार का 100 दिन का कार्यकाल अति निराशाजनक : मायावती

» बसपा प्रमुख के साथ अखिलेश ने भी भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार टू के 100 दिन पूरे होने पर जहां भाजपा अपनी उपलब्धियां गिना रही है वहीं विपक्ष सरकार पर हमलावर है। अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी वाड्रा के बाद अब बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर हमला बोला। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा कि यूपी भाजपा सरकार ने 100 दिन के कार्यकाल का काफी जश्न मना लिया किन्तु गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि की ज्वलन्त समस्याओं को दूर करने, कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने, सभी जाति व धर्मों में आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द पैदा करने के मामले में इनका कार्यकाल उदासीन व अति-निराशाजनक।

बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि योगी सरकार के 100 दिनों में सत्ता के दुरुपयोग से लोकतंत्र और कमजोर हुआ है। मुख्यमंत्री ने जिन उपलब्धियों को बताया है, वे सब झूठ का पुलिंदा और भाजपा की फरेबी राजनीति का हिस्सा है। जनता इसकी सच्चाई समझ चुकी है। भाजपा सरकार विद्वेष की भावना से सपा व अन्य विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है।

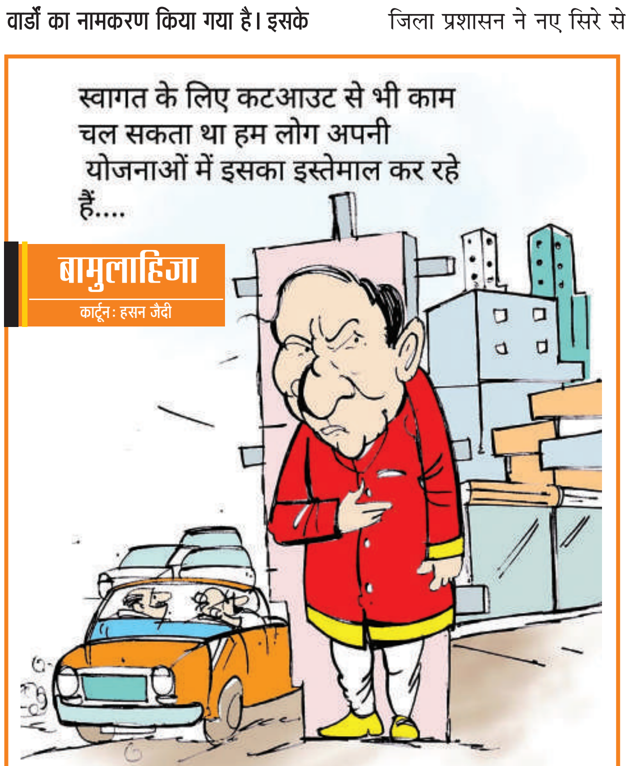

90 दिन बाद भी डिफाल्ट जमानत को खारिज करना मौलिक अधिकारों का हनन : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक मामले में जांच के लिए अधिकतम अवधि (90 दिन) समाप्त होने के बाद और आरोपपत्र दाखिल करने से पहले आरोपी की ओर से दाखिल डिफाल्ट जमानत अर्जी को खारिज करना विधिक और मौलिक दोनों अधिकारों का हनन है। अगर आरोपी डिफॉल्ट (चूक) जमानत अर्जी दाखिल करता है तो उसे सुनवाई से इनकार नहीं किया जा सकता है। आरोपी को सीआरपीसी की धारा 167(2) के तहत एक अपरिहार्य अधिकार मिलता है।

कोर्ट ने इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रयागराज के आदेश को रद्द करते हुए याची की जमानत अर्जी को शर्तों के साथ स्वीकार करते हुए उसे रिहा करने का आदेश पारित किया। यह आदेश न्यायमूर्ति सैयद

आफताब हुसैन रिजवी ने अनवर अली की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। याची के खिलाफ इलाहाबाद बैंक मैनेजर अनिल दोहरे से लूट और हत्या के आरोप में मऊआइमा थाने में 19 जुलाई 2021 को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। विवेचना केदौरान याची का नाम सामने आया था। उसने कोर्ट में समर्पण कर दिया, जिसके बाद से वह जेल में है। पुलिस 25 नवंबर 2021 को 90 दिन पूरे होने तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर सकी।

योगी राज में दूसरे राज्यों को एक्सप्रेस-वे से मिल रही कड़ी टक्कर

एक्सप्रेस-वे दे रहे लगातार प्रदेश के विकास को रफ्तार

» गोरखपुर व बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे का काम युद्धस्तर पर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार इस तथ्य के प्रति संवेदनशील है कि यूपी भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य होने के साथ ही देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस राज्य में होने वाला आर्थिक, औद्योगिक और राजनीतिक घटनाक्रम पूरे देश के भविष्य पर दूरगामी प्रभाव डालता है। देश के पांच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्था के राज्यों में भी यूपी का विशिष्ट स्थान है। यह राज्य हैं महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, और गुजरात। राष्ट्रीय कृषि उत्पादन के सकल मूल्य वर्धित (ग्रॉस स्टेट वैल्यू-एडेड या जीएसवीए) में उत्तर प्रदेश का योगदान लगातार बढ़ रहा है और वर्ष 2020-21 में यह 26 प्रतिशत था।

यूपी का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2020 में लगभग 227 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और यदि एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य देखा जाए तो यह 2030 तक प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए प्रति वर्ष 18 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना जरूरी होगा। इसे ध्यान में रखते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में पिछले कार्यकाल में योगी सरकार ने यूपी को देश में नंबर एक एक्सप्रेस-वे राज्य बनाने का संकल्प लिया था और इस दिशा में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण भी किया। चित्रकूट से इटावा को जोड़ने वाली बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का काम पूरा हो चुका है। इसे जल्द जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। गंगा एक्सप्रेस-वे, जो पश्चिमी यूपी को पूर्वी यूपी से जोड़ेगी, का काम आने वाले दिनों में शुरू होने जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे का काम युद्धस्तर पर जारी है।

हवाई नेटवर्क पर भी फोकस

नोएडा स्थित जेवर में प्रदेश के पांचवें अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण कार्य जारी है। इसके साथ नोएडा में इंटरनेशनल कार्गो हब बनाने की दिशा में भी काम हो रहा है। राष्ट्रीय परियोजना गतिशक्ति के अंतर्गत परिवहन की योजनाओं पर भी काम शुरू हो चुका है। औद्योगिक निवेश के लिए सरकार द्वारा विगत तीन जून को तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रख्यात उद्योग समूहों द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में 1406 प्रस्तावों से लगभग 80,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से मिला बीजेपी को लाभ

अवध के रास्ते लखनऊ को गाजीपुर से जोड़ने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे परियोजना को समय से 150 दिन पहले पूरा कर लिया गया था। इससे यूपी सरकार 1268 करोड़ रुपए बचाने में कामयाब रही। करीब 22,494.66 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुए इस एक्सप्रेस-वे पर कोई टोल प्लाजा नहीं होगा मगर अब टोल टैक्स शुरू हो गया है। बीते साल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। 340 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे से लखनऊ से बाराबंकी, अमेठी, सुलतानपुर, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, आजमगढ़ व मऊ से गाजीपुर तक की यात्रा आसान हो गई है। इससे पड़ोसी बिहार के यूपी की सीमा से लगने वाले जिलों को भी फायदा हुआ है। यही वजह है कि बीजेपी ने इसे हर चुनाव में जबरदस्त तरीके से भुनाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर यूपी के तमाम बीजेपी नेता इस एक्सप्रेस वे के जरिए अपनी सरकार की खूब वाहवाही कर रहे हैं।

लोक सभा चुनाव: अब संगठन को मजबूत करने में जुटी सपा, भितरघातियों को किया जाएगा बाहर

» समर्पित कार्यकर्ताओं को दी जाएगी जिम्मेदारी

» दूसरे दलों से आए लोगों का भी होगा समायोजन

» जातीय समीकरण का भी रखा जाएगा ख्याल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव और लोक सभा उपचुनाव में शिकस्त के बाद अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव की नजर 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव पर टिक गयी है। लिहाजा उन्होंने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। नयी रणनीति के तहत संगठन में व्यापक बदलाव की तैयारी है। इससे पहले पार्टी के बागी व भितरघात करने वालों को बाहर किया जाएगा। दूसरे दलों से आए लोगों को संगठन में समायोजित किया जाएगा।

सपा ने हार के कारणों की समीक्षा में पाया कि कई जगह बागियों और भितरघातियों की वजह से उसे हार का सामना करना पड़ा। कई नेता टिकट न मिलने पर निष्क्रिय होकर बैठ गए। ऐसे लोगों की पहचान कर ली गई है। ये सब बाहर होंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी अहसास है कि विधान सभा चुनाव में टिकट वितरण में बाहरियों को ज्यादा तवज्जो देने से कई जगह अपने लोगों की उपेक्षा हो गई इसलिए अब ऐसे समर्पित लोगों का समायोजन किया जाएगा। साथ ही कुछ समय से विभिन्न दलों से आए पिछड़े व दलित वर्ग के कई नेताओं को भी संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी। दो साल बाद होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव संगठन को मजबूत कर नए सिरे से कार्यकर्ताओं में जोश भरना चाहते हैं। असल में वैसे तो सपा अपने पूरे संगठन भंग करने का काम पहले ही करना चाहती थी लेकिन विधान सभा चुनाव में हार के बाद उसने यह काम नहीं किया। उसे आशंका थी कि संगठन को भंग करने को चुनावी हार से जोड़ा जाएगा। इसके बाद उसने राज्य सभा चुनाव, विधान परिषद चुनाव व आजमगढ़ व रामपुर लोक सभा उपचुनाव होने का इंतजार किया गया।

नरेश उत्तम की जिम्मेदारी फिलहाल बरकरार

सपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर अखिलेश यादव ने गैरयादव के रूप में कुर्मी बिरादरी के नरेश उत्तम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। तब से वह ही अध्यक्ष चले आ रहे हैं। इस बार उन्हें संगठन की गतिविधियों को पूरा कराना है इसलिए उन्हें बरकरार रखा गया है। माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर किसी और गैर-यादव पिछड़े वर्ग के नेता को सौंपी जा सकती है और नरेश उत्तम को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह दी जा सकती है।

जल्द होगा पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन

सपा इस साल अगस्त या सितंबर में राष्ट्रीय सम्मेलन करेगी। इसमें अखिलेश यादव को पुनः अध्यक्ष चुना जाएगा। इससे पहले सपा सदस्यता अभियान के तहत पहले सदस्य बनाएगी। पचास सदस्य बनाने वाले को सक्रिय सदस्य बनाया जाएगा। इनका कार्यकाल पांच साल का होता है। इनमें पहले डेलीगेट्स चुने जाएंगे। इनके जरिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठन होगा। वर्ष 2017 में आगरा में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में अखिलेश यादव को विधिवत राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद लखनऊ में हुए राज्य अधिवेशन में नरेश उत्तम की अध्यक्षी पर मुहर लगी थी। इस बीच लोक सभा व विधान सभा के चुनाव निपट गए लेकिन प्रदेश कमेटी का पुनर्गठन नहीं हो पाया। जिला अध्यक्ष जरूर बदलते रहे। सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह कहते हैं, संगठन भंग करने का निर्णय चुनावी नतीजों से नहीं जुड़ा है। यह काम पहले से ही होना था ताकि बदलते वक्त के साथ नए सिरे से इसका गठन किया जा सके और अब विभिन्न वर्गों के लोगों का समायोजन कर संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू हो गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गड्ढा मुक्त सड़कों के दावों की हकीकत

उत्तर प्रदेश सरकार भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दावा कर रही हो जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकांश शहरों की सड़कें खस्ता हाल हैं और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे हैं। गड्ढों के कारण बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जबकि जर्जर सड़कें हादसों का कारण बन रही हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दावा कर रही हो जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकांश शहरों की सड़कें खस्ता हाल हैं और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे हैं। गड्ढों के कारण बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जबकि जर्जर सड़कें हादसों का कारण बन रही हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार हर साल सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए करोड़ों खर्च करती है। सवाल यह है कि पांच साल बाद भी प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त क्यों नहीं किया जा सका? सड़क निर्माण में मानकों को क्यों दरकिनार किया जा रहा है? करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी हालात जस के तस क्यों हैं? क्या कर्मचारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के चलते स्थितियां बिगड़ी हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? क्या आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है? क्या ऐसे ही प्रदेश के शहरों को स्मार्ट सिटी में तब्दील किया जा सकता है? इस अव्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है?

2017 में जब प्रदेश की कमान भाजपा सरकार ने संभाली थी तो सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा किया था लेकिन पांच साल बीतने के बाद भी हालात नहीं सुधरे हैं। राजधानी लखनऊ की अधिकांश सड़कें खस्ता हाल हैं और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं। गोमतीनगर, सरोजनीनगर, राजाजीपुरम, पत्रकारपुरम समेत कई इलाकों की सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। बारिश के दौरान इन टूटी सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसके कारण लोगों का चलना दूभर हो जाता है। वहीं गड्ढों के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। यही हाल कॉलोनियों की सड़कों का है। सच यह है कि कर्मचारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण सड़कों के निर्माण में न तो गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है न ही मानकों का पालन किया जाता है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क भी पहली ही बरसात में उखड़ जाती है। यह स्थिति तब है जब सड़कों की मरम्मत और निर्माण के लिए हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। जब प्रदेश की राजधानी में यह हाल है तो अन्य शहरों का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। जाहिर है यदि सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त करना चाहती है तो वह न केवल संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करे बल्कि कर्मचारियों और ठेकेदारों के गठजोड़ को खत्म करे। भ्रष्टाचार को खत्म किए बिना सड़कों की गुणवत्ता को सुधारा नहीं जा सकता है। सरकार को सड़कों की गुणवत्ता की जांच के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी अन्यथा प्रदेश में स्मार्ट सिटी बनाने का सपना जमीन पर शायद ही कभी उतर पाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एकल प्लास्टिक का रोकें इस्तेमाल

आशुतोष चतुर्वेदी

भारत में पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा पॉलिथीन और प्लास्टिक से है। बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों में पॉलिथीन पर तो प्रतिबंध है और एक जुलाई से देशभर में भी एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक पर पाबंदी लगा दी गयी है। एकल उपयोग वाले प्लास्टिक उत्पादों पर लगा राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध दो दशक के लंबे प्रयास के बाद लगा है। इसकी शुरुआत 1999 में पॉलिथीन बैग पर प्रतिबंध के साथ हुई थी। तब से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को समाप्त करने के लिए तीन राष्ट्रीय कानून के अलावा अनेक राज्यों ने भी कानून बनाये हैं। प्रतिबंध उन प्लास्टिक उत्पादों पर लगा है जो एक बार उपयोग करने के बाद फेंक दिये जाते हैं। इनमें प्लास्टिक के प्लेट, कप, गिलास और कटलरी जैसे कांटे, चम्मच, चाकू व ट्रे आदि शामिल हैं। प्रतिबंध मल्टी-लेयर्ड पैकेजिंग को कवर नहीं करता है, जिसका इस्तेमाल चिप्स से लेकर गुटखा पाउच जैसे सामानों में होता है।

केंद्र सरकार ने मल्टी-लेयर्ड प्लास्टिक व पैकेजिंग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के लिए निर्माताओं को दो साल का समय दिया है। कड़ी पाबंदियों के बावजूद पिछले दो दशकों के प्रयास नाकाफी साबित हुए हैं। हम पॉलिथीन इस्तेमाल को नियंत्रित करने में तो सफल रहे हैं, लेकिन इसे खत्म नहीं कर सके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार साल पहले एकल इस्तेमाल की प्लास्टिक के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की घोषणा की थी। उसके बाद अब एक जुलाई से देश ने इस दिशा में पहला कदम उठाया है। सामान्य-सी दिखने वाली पॉलिथीन और प्लास्टिक हम सबके जी का जंजाल बन गयी है। यह पर्यावरण में जहर घोल रही है। प्लास्टिक के नष्ट होने में एक हजार साल लग जाते हैं। इसके नुकसान की लंबी सूची है। जलाने पर यह ऐसी गैस छोड़ती है, जो जानलेवा होती हैं। यह जल चक्र में बाधक बन कर बारिश को प्रभावित करती है तथा नदी-नालों को अवरुद्ध करती है। खेती की उर्वरा शक्ति को क्षीण करती है। इसे खाने वाले पशु मौत का शिकार हो जाते हैं। दूध और अन्य खाद्य पदार्थों के माध्यम से से हमारे खून में पहुंचने लगा है. पर्यावरणविदों का आकलन है कि एक भारतीय औसतन हर साल करीब 10 किलो प्लास्टिक का इस्तेमाल करता है। देश में हर साल लगभग 35 लाख टन घरेलू प्लास्टिक का कचरा पैदा हो रहा है। लाखों टन प्लास्टिक कचरे को खाली जगहों पर फेंक दिया जाता है, जहां वे छोटे माइक्रोप्लास्टिक में

विघटित हो जाते हैं। इसके बाद यह सब्जियों व खाद्यान्नों के माध्यम से मानव खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाता है। लोग अक्सर खाने की वस्तुएं पॉलिथीन में रख लेते हैं, जिससे कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। इसके खिलाफ समय रहते कोई कार्रवाई करना बेहद जरूरी हो गया है लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। लाखों लोग इसके कारोबार से जुड़े हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार देश में लगभग 683 इकाइयां हैं, जो हर साल लगभग 2.4 लाख टन एकल इस्तेमाल की प्लास्टिक का निर्माण करती हैं। समस्या यह है कि रोजमर्रा की प्लास्टिक की वस्तुओं के विकल्प महंगे हैं। यह बड़ी चुनौती है। बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक भी काफी महंगी हैं। सड़क किनारे समान बेचने वाले के लिए यह महंगा सौदा है. इसमें गर्म खाना और पेय पदार्थ नहीं परोसा जा सकता है। कागज के अधिकांश उत्पादों की कीमत प्लास्टिक से अधिक है. कागज से बने सामान पर्यावरण पर और अधिक बोझ डालते हैं। मजबूती के लिए अधिकांश पेपर कपों में प्लास्टिक का भी उपयोग होता है। इस वजह से इसका कचरा नॉन-रीसाइकिलेबल हो जाता है।

एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक प्रतिबंध से छोटे निर्माताओं को नुकसान होने की आशंका है। इस उद्योग का टर्नओवर 10 हजार करोड़ रुपये है और इसमें सीधे तौर पर दो लाख लोग जुड़े हैं। प्रतिबंध से रीसाइक्लिंग उद्योग पर भी असर पड़ेगा जो अप्रत्यक्ष रूप से 4.5 लाख लोगों की रोजी-रोटी का माध्यम है। आंकड़ों के हिसाब से देश में सभी तरह की प्लास्टिक का निर्माण उद्योग करीब 40 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराता है। करीब 60 हजार से ज्यादा प्रसंस्करण इकाइयों में से लगभग 90 फीसदी मध्यम व लघु उद्योग क्षेत्र में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले का ज्यादातर बोझ मध्यम व लघु क्षेत्र पर ही पड़ेगा। ऐसे में इसका एकमात्र हल यही है कि सरकारों को इस क्षेत्र की सहायता के लिए आगे आना होगा। वहीं जब तक लोग इसके प्रति सचेन नहीं होंगे तब तक कोई उपाय कारगर साबित नहीं हो सकता है। पहले कई राज्यों में पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन जब तक जनता इस मुहिम से नहीं जुड़ी,तब तक योजना प्रभावी नहीं हुई। पर्यावरण को बचाना सामूहिक जिम्मेदारी है. इसकी अनदेखी भारी पड़ सकती है। हमें पॉलिथीन और एकल इस्तेमाल की प्लास्टिक को नियंत्रित करना होगा।

बढ़ती उम्र में स्वास्थ्यवर्धक रसायनों की खोज

मुकुल व्यास

हर कोई जानता है कि व्यायाम करना शरीर के लिए अच्छा होता है। बार-बार यह कहा जाता है कि इससे शरीर की मांसपेशियां और जोड़ मजबूत रहते हैं तथा रोगों से लड़ने में मदद मिलती है। आखिर कसरत में ऐसा क्या है जिसकी वजह से हमारा शरीर फिट रहता है और क्या व्यायाम करने से शरीर को मिलने वाले लाभ एक गोली से भी प्राप्त किए जा सकते हैं? वैज्ञानिक उन रसायनों का पता लगा रहे हैं जो कसरत की वजह से सक्रिय होते हैं और वे इन रसायनों से चिकित्सीय लाभ प्राप्त करने की भी कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ मेडिसिन, बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन और उनके सहयोगी संस्थानों के शोधकर्ताओं ने रक्त में एक ऐसे मॉलिक्यूल की पहचान की है जो कसरत के दौरान उत्पन्न होता है। यह मॉलिक्यूल चूहों में भोजन की मात्रा कम करने और मोटापा घटाने में मददगार साबित हुआ है। इस खोज से हमें कसरत और भूख से जुड़ी क्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

बेलर मेडिसिन स्कूल के प्रोफेसर डॉ. योंग शी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि रोजाना कसरत करने से मोटे लोगों में वजन घटाने और उनकी खुराक को नियमित करने में मदद मिलती है। यदि हमें वह कार्यविधि समझ आ जाए जिसके जरिए कसरत ये लाभ उत्पन्न करती है तो हम कई लोगों का स्वास्थ्य सुधारने में मदद कर सकते हैं। इस अध्ययन के सह-लेखक और स्टैनफोर्ड मेडिसिन स्कूल के प्रोफेसर जोनाथन लांग ने बताया कि हम यह जानना चाहते थे कि कसरत आणविक स्तर पर किस प्रकार काम करती है ताकि उसके कुछ फायदे हमें मिल जाएं। उदाहरण के तौर पर वृद्ध या दुर्बल लोग जो समुचित कसरत नहीं कर सकते वे एक दिन ऐसी गोली खा सकेंगे जो ओस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग और अन्य रोगों की रफ्तार को धीमा करने में मदद करेगी।

शी,लांग और उनके सहयोगियों ने चूहों द्वारा ट्रेडमिल पर दौड़ने के बाद उनके ब्लड प्लाज्मा के यौगिकों का विस्तृत विश्लेषण किया। उन्होंने विश्लेषण के दौरान एक खास यौगिक की पहचान की। यह एक संशोधित एमिनो एसिड है जिसे लेक-फे कहा जाता है। ये यौगिक लेक्टेट और फिनायलैलेनाइन से बनता है। लेक्टेट कसरत करने से बनता है जबकि फिनायलैलेनाइन एक एमिनो एसिड है जो प्रोटीन बनाने के काम आता है। शोधकर्ताओं ने ऐसे चूहे चुने जिन्हें अधिक वसा युक्त आहार दे कर मोटा किया गया था। जब इन चूहों को लेक-फे की उच्च खुराक दी गई तो उन्होंने 12 घंटे की अवधि में चूहों के दूसरे समूह की तुलना में 50 प्रतिशत कम खाद्य ग्रहण किया। इससे उनकी चाल-ढाल या ऊर्जा व्यय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। शोधकर्ताओं ने तुलना के लिए दूसरे समूह के चूहों को लेक-फे की खुराक से वंचित रखा। मोटे चूहों को दस दिन तक लेक-फे की खुराक देने पर उनके खाद्य ग्रहण और शरीर के वजन में कमी आई। उनकी ग्लूकोज सहनशीलता में सुधार हुआ। वजन में कमी वसा घटने से हुई। शोधकर्ताओं ने सीएनडीपी2 नामक एक एंजाइम की भी पहचान की। लेक-फे के उत्पादन में इस एंजाइम की भी भूमिका होती है। शोधकर्ताओं ने चूहों के अलावा मनुष्यों और रेस के घोड़ों में शारीरिक गतिविधि के उपरांत लेक-फे के स्तर में वृद्धि देखी। मनुष्यों में कसरत के बारे में एकत्र डेटा से पता चलता है कि तेज दौड़ने से लेक फे के स्तर में सबसे ज्यादा वृद्धि होती है। इससे पता चलता है कि लेक फे अनेक जानवरों में शारीरिक गतिविधि से जुड़ा हुआ है। शोधकर्ता शरीर पर इस यौगिक के प्रभावों पर विस्तृत अध्ययन करेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य कसरत के इस पहलू का चिकित्सीय उपयोग करने का है। इस वर्ष के आरंभ में ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण एंजाइम खोजा था जो यह दर्शाता है कि कसरत किस कदर हमारे स्वास्थ्य में सुधार करती है। इस खोज से ऐसी दवाएं बनाने का रास्ता खुल गया है जो इस एंजाइम की गतिविधि को आगे बढ़ाएंगी। इससे मानव स्वास्थ्य पर डायबिटीज जैसे प्रभावों से बचा जा सकेगा जिनका संबंध आयुवृद्धि से है। शोधकर्ताओं ने जो एंजाइम खोजे हैं, उनका संबंध शारीरिक गतिविधि से जुड़े इंसुलिन के रिस्पांस से है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मांसपेशियों के क्षय और डायबिटीज जैसे आयुवृद्धि के प्रभावों से बचाव की दवाएं बनाने के लिए इस एंजाइम को लक्षित किया जा सकता है। मोनाश विश्वविद्यालय के प्रोफेसर टोनी टिगानिस और उनके सहयोगी शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि आयुवृद्धि में मांसपेशियों में आरओएस (रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसीज) के उत्पादन में कमी से इंसुलिन प्रतिरोध उत्पन्न होता है। ऑक्सीजन के अत्यंत क्रियाशील रसायनों को आरओएस कहते हैं। टिगानिस के अनुसार मांसपेशियां लगातार आरओएस उत्पन्न करती हैं और कसरत करने से इसमें वृद्धि होती है। कसरत से उत्पन्न आरओएस स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। एनओएक्स-4 नामक एंजाइम कसरत से उत्पन्न आरओएस के लिए महत्वपूर्ण है। चूहों पर प्रयोग के दौरान रिसर्चरों ने देखा कि कसरत के बाद एनओएक्स-4 एंजाइम में वृद्धि हुई जिसने बदले में आरओएस में वृद्धि की। बढ़े हुए आरओएस द्वारा उत्पन्न रिस्पांस ने चूहों को इंसुलिन प्रतिरोध से बचाया। इस प्रयोग के जरिए वैज्ञानिकों ने यह दर्शाया है कि मांसपेशियों में एनओएक्स4 के स्तर का सीधा संबंध इंसुलिन की संवेदनशीलता में उम्र से जुड़ी गिरावट से है। प्रो. टिगानिस ने कहा कि इस एंजाइम की कार्यविधि के आधार पर दवाएं विकसित करके वृद्ध होने की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण कारणों को दूर किया जा सकता है।

बारिश के मौसम में न करें ये गलतियां

बारिश का मौसम आ गया है। आए दिन आसमान में बादल छा जाते हैं और फिर बरसात होने लगती है। चिलचिलाती गर्मी में बारिश सुकून और राहत दिला रही है। कई लोगों को बारिश का मौसम बहुत पसंद भी होता है। भिगी मिट्टी की सौंधी खुशबू, पत्तों पर गिरता पानी और बढ़ती हरियाली मन मोह लेती है लेकिन मानसून आने से कई तरह की परेशानियां भी आ जाती हैं। बारिश में कई सारे हादसे तो लोगों की लापरवाही और कुछ छोटी छोटी गलतियों के कारण होते हैं। लोगों को लगता है कि बारिश में घर से बाहर निकलने पर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। लेकिन मानसून में घर पर रहकर भी आप असुरक्षित होते हैं। ऐसे में बारिश के मौसम में कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आप बरसात में सुरक्षित रह सकें और किसी समस्या का सामना न करना पड़े।

सावधानी से ड्राइव करें

मानसून में सड़क हादसे होना आम बात है। बारिश में सड़कों पर पानी भरा होने के कारण गड्ढे आदि नहीं दिखते। वहीं सड़कें फिसलन वाली हो जाती हैं। वहीं तेज बारिश में जब लोग स्पीड में गाड़ी चलाते हैं तो दुर्घटना होना स्वाभाविक है। बाइक चलाने वालों को तो अधिक ध्यान से राइड करने की जरूरत होती है।

बिजली के तारों को न छुएं

अगर तेज बारिश हो रही है तो घर से बाहर निकलते समय बिजली के खंभों पर नजर रखें। कई बार तेज बारिश में तार टूटकर सड़क पर गिर जाते हैं। गीली जमीन और टूटे तार पर अगर गलती से आपका पैर पर जाए तो जान का खतरा हो सकता है। घर पर भी बिजली के खुले तारों को ढूंढ कर उसे ठीक रहा लें। बच्चों को भी बिजली के तारों और खंभों से होने वाले खतरे की जानकारी दें।

घर के खिड़की दरवाजे बंद रखें

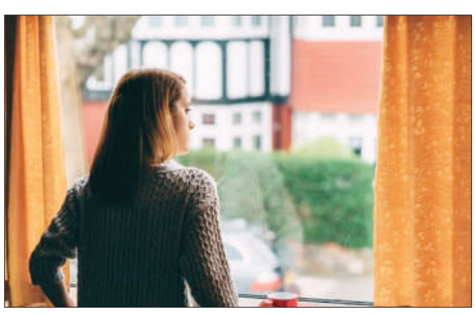

जब बरसात शुरू होती है तो घर पर मच्छर, मेंढक या अन्य बरसाती कीड़े आने लगते हैं। इसके अलावा तेज बारिश में घर में बरसात का पानी भी आ जाता है, जिससे घर में सीलन और बदबू हो जाती है। घर के अंदर बरसाती पानी को आने से रोकने के लिए सबसे पहले तो बारिश होते ही खिड़की, दरवाजों को ठीक से बंद कर दें। वहीं अगर घर में कोई दीवार या छत टूट रही है या कमजोर हो रही है, तो उसे ठीक करा दें ताकि तेज बारिश में छत न टपके।

बरसाती कीड़ों से बचाव

बारिश का पानी जमा हो जाने से मच्छर मक्खियां घर में आ जाती हैं। इससे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया समेत कई अन्य बीमारी हो सकती हैं। कई बार घरों में बरसाती कीड़े और मेंढक भी आने लगते हैं। बरसात में कीड़े और मच्छरों से बचाव के लिए तैयारी कर लें। मच्छरों को भगाने के लिए मच्छर रिपेलेंट्स, मच्छर मार कॉइल्स या स्प्रे रखें। घर की साफ सफाई करें।

बारिश में पैदल चलने से बचें

भले ही लोगों को बारिश में भीगना पसंद होता है लेकिन अगर आप घर से बाहर हैं तो सड़क पर भरे बारिश के पानी से दूर रहें। सड़कों पर बारिश के पानी या कीचड़ में बैक्टीरिया होते हैं, जो कई तरह की वायरल बीमारियों और त्वचा संबंधी इंफेक्शन को बढ़ावा देते हैं। मधुमेह के रोगियों को तो बारिश के सड़क पर पैदल चलने से सबसे ज्यादा बचना चाहिए।

हंसना मना है

टीटू जंगल में जा रहा था तभी एक सांप ने उसके पैर में काट लिया। टीटू को अचानक गुस्सा आया और सांप के आगे पैर कर दिया, कहा ले काट ले जितना काटना है काट ले। सांप ने फिर तीन-चार बार पैर पर लगातार काटा फिर सांप थक कर बोला- अबे तू इंसान है या भूत? टीटू- मैं तो इंसान ही हूं लेकिन मेरा यह पैर नकली है।

रमेश- मैं अपनी बीवी से परेशान हो चुका हूं सुरेश- क्यों, ऐसा क्या हुआ? रमेश- यार वो सारा दिन यूट्यूब पर पकवानों की रेसिपी देखती रहती है. सुरेश- हां... तो इसमें दिक्कत क्या है? रमेश- शाम को बनाती तो दाल-चावल ही है।

सीटू अपने दोस्त से बोला- प्यार एकतरफा होना चाहिए। दोनों तरफ से बराबर होने से शादी होने का खतरा बढ़ जाता है। प्यार में शादी करके जिंदगी भर फंसना ठीक नहीं।

नितिन- जिनका कोई नहीं होता, उनका पता है क्या होता है? रवि- हां... भगवान। नितिन- नहीं रे. रवि- फिर नितिन- उनकी नींद पूरी होती है।

लड़की वाले - हर महीने कितना कमा लेते हो?लड़का - इस महीने दो करोड़ कमाए थे, लेकिन लड़की वाले - फिर क्या हुआ? लड़का - बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई।

कहानी — सबसे प्यारे आप

एक बार बादशाह अकबर किसी बात पर अपनी बेगम से नाराज हो गये। उन्होंने बेगम से कहा, तुम अपने पीहर चली जाओ। फिर मुझे कभी अपनी शक्ल मत दिखाना। बेगम घबरा गयी। उन्होंने फौरन बीरबल को बुलवाया और उन्हें पूरी बात बतायी। पूरी बात सुनकर बीरबल ने उन्हें एक राय दी और खामोशी से दरबार में पहुंच गये। तत्पश्चात बेगम बादशाह से मिलने महल में गयी। बादशाह ने उन्हें देखकर मुंह फेर लिया। बेगम ने कहा, जहांपनाह, आप को छोड़कर जाना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा है। मगर आपका हुक्म है, इसलिए मुझे जाना ही पड़ेगा। मुझे तो अपना बाकी जीवन आपकी सेवा में ही बिताना था परन्तु अब क्या हो सकता है? अकबर ने उनकी ओर बिना देखे ही कहा, झूठी खुशामद मत करो, जो कुछ कहना है, झटपट कह कर चली जाओ। बेगम ने कहा, देखिए अब तो मैं हमेशा के लिए अपने पीहर चली जाऊंगी। मेरी इच्छा है कि आज रात को आप मेरे महल में भोजन के लिए पधारें और मेरी एक सबसे प्रिय चीज मुझे अपने साथ ले जाने की अनुमति दें। आपकी यादस्वरूप उस चीज को देखते हुए मैं अपना बाकी जीवन बिता लूंगी। बादशाह ने महल में आने और जाते समय अपनी सबसे प्यारी चीज ले जाने की इजाजत दे दी। रात को अकबर बेगम के महल में पहुंचे तो बेगम ने उन्हें मनपसन्द भोजन करवाया और अन्त एक पान खिलाया। पान में बेहोशी की दवा थी। इसलिए बादशाह अकबर पलंग पर लेटते ही बेहोश होकर सो गये। दूसरे दिन सुबह जब बादशाह सोकर उठे तो उन्हें आस-पास सब कुछ नया-सा लगा। बेगम पलंग के पास बैठी हैं। बादशाह अकबर कुछ कहते, इससे पहले ही बेगम बोली, माफ करें जहांपनाह! मेरी सबसे अधिक प्रिय चीज मुझे अपने साथ ले आने की स्वीकृति आपने ही दी थी। मेरी सबसे अधिक प्रिय चीज आप हैं। इसलिए मैं आपको लेकर अपने पीहर आ गयी हूं। बेगम की यह बात सुनकर अकबर को बहुत खुशी हुई। उनका गुस्सा पलक झपकते ही शान्त हो गया और बेगम को साथ लेकर अपने राजमहल लौट आये।

शिक्षा : प्यार घृणा को जीत सकता है। अवांछनीय कार्यों के प्रति शांतिपूर्ण व्यवहार अच्छा परिणाम दे सकता है।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आप खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपमें खीज पैदा करेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए जरूरी चीजें खरीदना आसान होगा।

वृषभ

आज का दिन शानदार रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स आज किसी नयी संस्था में एडमीशन लेने के कोई भी परेशानी नहीं हो सकती है।

मिथुन

व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें। जिंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क

दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। किसी बात पर आपका मूड खराब हो सकता है। कहासुनी हो सकती है। करियर के मामले में अधिक जिम्मेदारियां मिल सकती है।

सिंह

बेचैनी की कसमकसाहट आपको परेशान कर सकती है। इससे बचने के लिए टहलने निकलें और गहरी साँसें लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार रहेगी।

कन्या

आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जो छात्र मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं उनके लिये आज का दिन बढ़िया है। डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है।

तुला

आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी कामयाबी की फेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे।

वृश्चिक

आज दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं। अपनी योजनाओं दूसरों साझा न करें वरना दूसरे इसका गलत फायदा उठा सकते हैं।

धनु

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। मस्तिष्क जीवन का द्वार है, क्योंकि अच्छा-बुरा सब-कुछ इसी के माध्यम से आता है।

मकर

आज का दिन महत्पूर्ण रहने वाला है। कारोबार से रिलेटेड आज कोई जरुरी काम पूरा हो सकता है। किसी नये काम को शुरू करना आपके लिये फायदेमंद रहेगा।

कुम्भ

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की जरूरत है, नहीं तो थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है।

मीन

दिन कुछ खट्टा-मीठा रहने वाला है। आज पिता के बताये हुए मार्ग पर चलेंगे तो सफलता जरुर हासिल होगी। किसी पुरानी बात को लेकर परेशान होने के बजाय आगे बढ़ने की कोशिश करें।

बॉलीवुड | मसाला

कार्तिक आर्यन ने शुरू की शहजादा की शूटिंग

कृति सेनन संग एक्शन अवतार में नजर आएंगे कार्तिक

कार्तिक आर्यन हालिया रिलीज हुए फिल्म 'भूल भुलैया 2' की बंपर सफलता के बाद अब अपनी नई फिल्म 'शहजादा की तैयारी में जुट गए हैं। एक्टर ने अपने हालिया पोस्ट में 'शहजादा' से संबंधित अपडेट शेयर किया है और बताया है कि उन्होंने इसकी शूटिंग शुरू कर दिया है। बता दें कि इससे पहले फिल्म की शूटिंग मॉरिशस में हुई थी। कार्तिक ने शूटिंग सेट से अपनी एक ब्लर फोटो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इस फोटो में तीन गिलास ड्रिंक दिख रहा है, जिसके बैकगाउंड में कार्तिक आंखों पर गॉगल लगाए लाइट ऑरेंज शर्ट में दिख रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा-' शहजादा ड्रिंक्स'। कार्तिक ने शूटिंग सेट से एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म के लोकेशन के बारे में बताया है। वहीं फिल्म का क्लिप बोर्ड शेयर कर फिल्म की शूटिंग की जानकारी फैंस को दी है। आपको बता दें कि 'शहजादा' में कार्तिक आर्यन पहली बार एक्शन करते हुए देखे जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'शहजादा' के डायरेक्टर रोहित धवन ने दुनिया भर के कुछ बेहतरीन स्टंट डायरेक्टर्स को चुना है। ऐसे में कार्तिक काफी लंबे वक्त से फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं। 'शहजादा' फिल्म अल्लू अर्जुन की अला वैकुंठपुरमलो की हिंदी रीमेक है। इसके कार्तिक एक्ट्रेस कृति सेनन संग दिखाई देंगे। इससे पहले 'लुका-छुपी' में कार्तिक-कृति की जोड़ी देखी जा चुकी है। कार्तिक-कृति के अलावा फिल्म में परेश रावल, मनीषा कोइराला, रोनित रॉय और सचिन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। 'शहजादा' के बाद कार्तिक फिल्म 'फ्रेडी' और फिल्म 'कैप्टन इंडिया', 'सत्यनारायण की कथा' में भी काम करते दिखाई देंगे। इससे पहले कार्तिक को फिल्म 'भूल भुलैया 2'में देखा गया था। उनकी इस फिल्म को दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। इस फिल्म में फैंस ने कार्तिक आर्यन के काम को खूब पसंद किया।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे घर तक पहुंच गया था फैन मैं डर गयी थी: कियारा आडवाणी

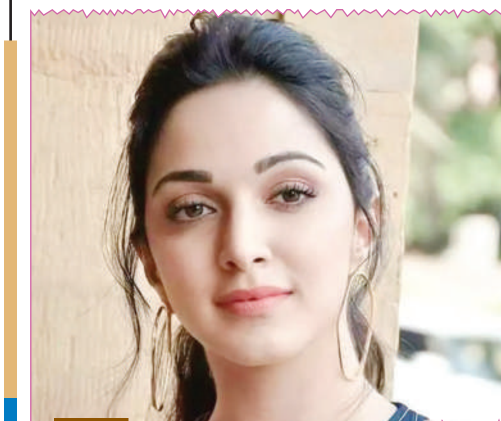

कियारा आडवाणी की गिनती अब बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में होती है। बैक टू बैक हिट फिल्में देने वाली कियारा आडवाणी को प्रोड्यूसर्स अपनी फिल्मों में लेने के लिए बेताब से दिखते हैं। हाल ही में कियारा आडवाणी को जुग जुग जियो में देखा गया है। इस फिल्म को लोगों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है लेकिन कियारा ने हर बार की तरह लोगों का दिल जीत लिया। फिल्म फगली से अपने करियर की शुरुआत करने वाली कियारा आडवाणी की लोकप्रियता तो अब आसमान छूती है। दमदार अदाकारी के दम पर कियारा आडवाणी की जबरदस्त फैन फॉलोइंग बन चुकी है। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने एक क्रेजी फैन से जुड़ा हैरान करने वाला किस्सा सुनाया है। पिंकविला को दिए गए इंटरव्यू में कियारा आडवाणी ने कहा है कि एक फैन ने उन्हें बड़ा हैरान किया था। उसकी वजह से वह काफी डर भी गई थीं। दरअसल कियारा मुंबई के मशहूर महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स ऊंचे फ्लोर पर रहती है। ऐसे में उनके फैन ने लिफ्ट से आने की जगह सीढ़ियों से आने का फैसला लिया ताकि कियारा को महसूस हो सके कि वह उनका कितना बड़ा फैन है। इस इंटरव्यू में यह किस्सा बताते हुए कियारा ने कहा, %एक शख्स ने मेरे लिए बड़ी ही अजीब सी चीज की। वह सच में एक फैन था। मैं यह नहीं बताउंगी कि मेरा घर कौन से फ्लोर पर है। वह मुझसे मिलने के लिए सीढ़ियों से चढ़कर आया। उसे काफी पसीना आ रहा था। मैंने पूछा क्या हुआ? तुम ठीक हो? तुम्हें पानी चाहिए? बता दें कि फिल्मों कलाकारों के साथ ऐसा किस्सा होना आम बात है। इससे पहले भी कई फैन्स अपनी दीवानगी को दिखाने के लिए अजीबो गरीब काम कर चुके हैं।

झलक दिखला जा-10 : माधुरी दीक्षित फिर करेंगी शो में वापसी

टीवी के सबसे पॉपुलर रियलिटी शोज में से एक झलक दिखला जा का 10वां सीजन जल्द ही शुरू होने जा रहा है। पूरे 5 साल के ब्रेक के बाद मेकर्स इस सेलेब्रिटी डांस शो को फिर एक बार वापस लेकर आ गए हैं और खबर है कि सितंबर से शो का टेलीकास्ट शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि शो का पिछला सीजन साल 2017 में आया था। हालांकि शो की वापसी से भी ज्यादा दिलचस्प है इस बार शो में जजेज का होना। पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसी खबरें आ रही थीं कि काजोल ही इस शो को जज करेंगी। ताजा जानकारी के मुताबिक काजोल नहीं, बल्कि धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित इस सुपरहिट डांस शो को जज करने वाली हैं। लेकिन क्या माधुरी के शो में आने की वजह से ही काजोल ने इस बार शो ठुकरा दिया है? इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। साल 2014 तक माधुरी दीक्षित ही इस शो को जज कर रही थीं लेकिन फिर शाहिद कपूर और जैकलीन फर्नांडिस ने कुर्सी संभाल ली। हालांकि इस सीजन में शाहिद और जैकलीन नहीं बल्कि फिर एक बार बॉलीवुड ब्यूटी माधुरी दीक्षित ही शो को जज करेंगी। ईटाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कुछ ही दिन पहले माधुरी के साथ मेकर्स की डील फाइनल हुई है। झलक दिखला जा के साथ माधुरी दीक्षित की डील के बारे में रिपोर्ट में बताया गया है कि उनके लिए तो ये घर वापसी करने जैसा होगा।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग एयर होस्टेस, 65 साल से कर रही हैं नौकरी, 86 साल हो चुकी है उम्र !

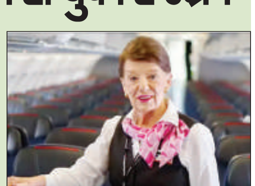

जब भी हम फ्लाइट में ट्रैवेल करते हैं तो आमतौर फ्लाइट अटेंडेंट या एयर होस्टेस के तौर पर हमारे सामने कुछ खूबसूरत महिलाएं आती हैं। वे जितने फिट होती हैं, उतने ही बेहतरीन ढंग से अपना काम भी करती हैं। सोचिए अगर उनकी जगह कोई दादी मां फ्लाइट अटेंडेंट के तौर पर आपके सामने आएं, तो झटका लगेगा ना ? दरअसल हमें किसी अधेड़ या बुजुर्ग महिला को एयर होस्टेस के तौर पर देखने की आदत नहीं है, लेकिन एक दादी मां की उम्र की अमेरिकन महिला आज भी फ्लाइट अटेंडेंट के तौर पर काम कर रही हैं। 86 साल की अमेरिकन महिला बेटी नैश दुनिया की सबसे बुजुर्ग एयर होस्टेस हैं, जो पिछले 65 साल से नौकरी कर रही हैं। ये अपने आपमें बिल्कुल अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड है। बोस्टन की रहने वाली बेटी नैश अमेरिकन एयरलाइंस के लिए फ्लाइट अटेंडेंट का काम करती हैं और वे अब दुनिया की सबसे बुजुर्ग फ्लाइट अटेंडेंट बन चुकी हैं। बेटी नैश ने एयर होस्टेस के तौर पर अपना करियर साल 1957 से शुरू किया था, जब इंसान ने पहली सैटेलाइट बनाई थी। उस वक्त उन्हें ये आजादी मिलती थी कि वे अपने मन मुताबिक रूट का चुनाव कर सकें। बेटी न्यूयॉर्क-बोस्टन- वॉशिंगटन डीसी रूट पर ज्यादातर वक्त जाती थीं। एबीसी न्यूज के मुताबिक ये काम करते हुए बेटी को 65 साल का वक्त बीत चुका है और इस रूट पर सफर करने वालों के लिए वे बेहद जाना-पहचाना चेहरा हैं। वे एक ही रूट पर इसलिए जाती हैं, क्योंकि इसके ज़रिये वे हर रात अपने बेटे के साथ घर पर बिता पाती हैं और वे अपने हाइपर एक्टिव मां की देखभाल कर पाते हैं। आमतौर पर पुरुषों को करियर की बात करें तो पुरुषों का करियर भी 63 साल का होता है और बेटी उसको भी 2 साल पीछे छोड़ चुकी हैं। वे पूरी तरह एक्टिव हैं और अपने यूनिफॉर्म में तैयार होकर काफी अच्छी लगती हैं। अगर बेटी सबसे ज्यादा लंबे वक्त तक काम करने वाली महिला हैं, तो इसी साल ब्राज़ील के एक शख्स ने सबसे ज्यादा वक्त तक काम करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उनका नाम वॉल्टर ऑर्थमन है और वे 84 साल से एक ही कंपनी के लिए काम कर रहे हैं। वॉल्टर की उम्र 100 साल हो चुकी है।

अजब-गजब

यहां निभाई जाती है दुनिया की सबसे अनोखी परंपरा

मर्दानगी दिखाने के लिए किशोरों को जहरीली चीटियों से कटाना पड़ता है अपने आप को

दुनियाभर के हर देश में कोई न कोई जनजाति जरूर पाई जाती है। इन जनजातियों को बेहद खास माना जाता है क्योंकि ये जनजातियां आज भी हजारों साल पुराने अपने तौर तरीकों से ही जीवन यापन कर रही है और आधुनिक दुनिया से उन्हें कोई लेना देना नहीं है। कई बार तो अगर कोई इंसान इनके इलाके में पहुंच जाता है तो ये उनकी जान तक ले लेते हैं। आज हम आपको दुनिया की एक ऐसी जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं जहां पुरुषों को मर्दानगी साबित करने का रिवाज है। यही नहीं मर्दानगी साबित करने के लिए पुरुष जिस चीज का प्रयोग करते हैं उसका नाम सुनते ही किसी के भी रोंगटे खड़े हो सकते हैं।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं ब्राजील में अमेजन के जंगलों में पाई जाने वाली साटेरे मावा जनजाति के बारे में। इस जनजाति के लड़कों को अपने समुदाय के सामने बहादुरी साबित करनी पड़ती है। इसके लिए लड़के जो काम करते हैं वो बेहद खतरनाक है। इस समुदाय के लड़के जब

नौजवान हो जाते हैं, तो उन्हें अपने सुमदाय के सामने यह साबित करना होता है कि वो युवा हो गए हैं। लड़के इसलिए अपने आपको सैकड़ों खतरनाक चीटियों से कटवाते हैं। यह मर्दानगी साबित करने का भी बेहद खतरनाक तरीका है।

क्योंकि इस अजीबोगरीब टेस्ट को पास करने के बाद ही लड़कों की शादी की जाती है। इस अजीबोगरीब परंपरा के मुताबिक, इस जनजाति के लड़कों को खतरनाक चीटियों से कटवाना होता है। इसक लिए लड़के बुलेट चीटियों से भरे दास्ताने को अपने हाथों में पहन लेते हैं। इस जनजाति में नियम है कि लड़कों को मर्द बनने के लिए खतरनाक बुलेट चीटियों से कटवाकर दर्द सहना होगा। पहले खतरनाक चीटियों को एक मोटे दास्ताने में बंद किया जाता है। जब दस्ताने को खोला जाता है, तो वह बेहद गुस्से में होती हैं। जब वह गुस्से में होती है, तब उनको दास्ताने में हाथ डालना होता है और खुद को कटवाना होता है। बताया जाता है कि इस चीटी के काटने से गोली लगने जैसा दर्द होता है। इससे हाथ कई दिनों तक सूजा रहता है। इसके लिए 12 साल या उससे अधिक उम्र के बच्चे खुद जंगल से खतरनाक चीटियां लाते हैं और लकड़ी के बने दास्ताने में भर लेते हैं। उसके बाद पारंपिर नाच गान होता है और इन दस्तानों को 20 बार पहनना होता है। इस दास्ताने को एक बार में 10 मिनट के लिए पहना जाता है। खतरनाक चीटियों के काटने से मधुमक्खी के डंक से भी 30 गुना अधिक दर्द होता है। इस प्रथा से साबित किया जाता है कि दुनिया में बिना दर्द के कुछ नहीं हो सकता।

कानपुर में बुजुर्ग दंपति की गला रेत कर हत्या, सनसनी

» देर रात वारदात को दिया गया अंजाम, पुलिस कर रही मामले की जांच

» सीसीटीवी कैमरे में नजर आया संदिग्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जिले में एक बुजुर्ग दंपत्ति की गला रेत कर हत्या कर दी गयी। दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कानपुर के बर्रा-2 यादव मार्केट के पास बदमाशों ने दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। फील्ड गन फैक्ट्री से सुपरवाइजर की पोस्ट से रिटायर्ड मुन्ना लाल गुप्ता (61) और उनकी पत्नी राज देवी (55) की गला रेत कर हत्या की गई है। घटना के वक्त घर में बेटा अनूप उत्तम (30) और बेटी (25) कोमल थी। अनूप ने बताया कि 2017 में उसकी शादी बिंदकी की सोनिका के साथ हुई थी। पत्नी का मानसिक संतुलन खराब था जिस कारण चार दिन बाद ही वह वापस मायके चली गई। इसके बाद से उसका कोर्ट में तलाक का केस चल रहा है। अनूप ने आरोप लगाया बर्रा-2 में रहने वाले उसके बड़े

साले सुरेंद्र और छोटे साले मयंक आए दिन जान से मारने की धमकी देते रहते थे। अनूप के मुताबिक सोमवार रात सभी जूस पीकर सो गए। बेटा ऊपर के कमरे में सो रहा था जबकि दंपति और बेटी नीचे के कमरे में सोए हुए थे। रात करीब दो बजे बहन ने आकर बताया कि नीचे मां-पापा की हत्या हो गई है। यह सुनकर उसके होश उड़ गए जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर कमिश्नर समेत चार थानों के फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है।

पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में 11:54 पर घर में घुसते हुए जबकि रात करीब 2:15 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति घर से निकलता हुआ नजर आया है। उसके मुंह पर सफेद कपड़ा बंधा था। वह घर से निकलकर संकट मोचन मंदिर की तरफ चला गया।

खेत पर घूमने निकले अधिवक्ता को मारी गोली

संभल। प्रदेश के संभल जिले के बहजोई थाना इलाके के गांव फतेहपुर शमसोई में आज सुबह छह बजे खेतों पर घूमने गए अधिवक्ता को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। अधिवक्ता को तीन गोली लगी हैं। घायल अधिवक्ता ने खुद ही परिजनों को फोन करके सूचना दी। उसे गंभीर हालत में बहजोई से मुरादाबाद रेफर पर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थाना बहजोई क्षेत्र के गांव फतेहपुर शमसोई निवासी अमित शर्मा (40) आज सुबह रोजाना की तरह खेतों पर घूमने निकले थे। गांव से करीब दो किलोमीटर दूर बुद्ध नगर खंडवा मार्ग पर तीन अज्ञात लोगों ने अधिवक्ता को रोक लिया और गोली मारी दी। एक गोली अधिवक्ता के सिर, एक सीने में, एक पेट में लगी है। इसके बाद आरोपी वहां से पैदल ही जंगल के रास्ते फरार हो गए। अधिवक्ता ने खुद ही फोन करके अपने पिता ओम प्रकाश को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन उन्हें घायल अवस्था में सीएचसी बहजोई ले गए। वहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मुरादाबाद रेफर कर दिया।

भारत में घुसपैठ करते पकड़ा गया इटली का नागरिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सुरक्षा एजेंसियों ने शुरू की पूछताछ

महराजगंज। नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ करते इटली के एक नागरिक को सोमवार की रात एसएसबी जवानों ने हिरासत में ले लिया। सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रहीं हैं।

भारत-नेपाल सीमा के डांडा हेड पर बीओपी एसएसबी 22 वीं वाहिनी के जवान गश्त कर रहे थे। इस दौरान एक नागरिक नेपाल से भारत की सीमा में प्रवेश करता दिखाई दिया। जवानों ने तत्काल उसे पकड़कर पूछताछ की। उसने अपना नाम नेगरी फ्रेडरिको निवासी नोवीलीगुरे, इटली बताया। वह भारत में प्रवेश के लिए आवश्यक प्रमाण नहीं दिखा सका। नेगरी फ्रेडरिको वर्ष 2014 में भारत के रास्ते नेपाल गया था। तभी से वह वहां रह रहा था। अब भारत आने की फिराक में था, लेकिन बीजा अवधि समाप्त होने के चलते उसे अधिकृत रूप से प्रवेश नहीं मिल रहा था, जिसके कारण वह डांडा हेड से पगडंडी के रास्ते भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था तभी जवानों ने पकड़ लिया। एसएसबी के कमांडिंग अफसर वरुण कुमार ने बताया कि इटली के एक नागरिक को हिरासत में लेकर खुफिया एजेंसियां पूछताछ कर रहीं हैं।

कानपुर हिंसा के मास्टर माइंड का फाइनेंसर हाजी वसी गिरफ्तार

» क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जिले में तीन जून को जुमे की नमाज के बाद हुए उपद्रव के मास्टर माइंड हयात जफर हाशमी को गिरफतार करने के बाद पुलिस ने उसके सहयोगियों पर शिकंजा कसा है। मास्टर माइंड के फाइनेंसर हाजी वसी को क्राइम ब्रांच ने लखनऊ से गिरफ्तार किया है। हाजी वसी बड़ा बिल्डर है और हयात की गतिविधियों में धन लगाता है।

क्राइम ब्रांच की टीम वसी को कानपुर लाकर पूछताछ कर रही है। नई सड़क उपद्रव में तीन प्रमुख नाम सामने आए थे। मास्टरमाइंड हयात जफर हाशमी को पांच जून को गिरफ्तार कर लिया गया था। हयात से पूछताछ में सामने आया था कि यह उपद्रव नुपुर शर्मा की टिप्पणी को लेकर ही नहीं किया गया बल्कि इसके पीछे कुछ स्थानीय

कारण भी थे। असल में बिल्डर हाजी वसी और मुख्तार बाबा की नजर नई सड़क पर चंद्रेश्वर हाता पर थी। इस हाता पर ये लोग दहशत फैलाकर कब्जा करना चाहते हैं। हयात ने पुलिस को बताया था कि इस उपद्रव को कराने के लिए जो पैसा लगा उसका इंतजाम मुख्तार बाबा और बिल्डर हाजी वसी व उनके साथियों ने किया था। एसआईटी के तत्कालीन मुख्य विवेचक एसीपी कर्नलगंज त्रिपुरारी पांडे ने मुख्तार बाबा को गिरफ्तार किया था जबकि हाजी वसी फरार चल रहा था। वसी के बेटे अब्दुल रहमान को भी गिरफ्तार किया गया है।

ट्रक-पिकअप की टक्कर, तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» वाराणसी-लखनऊ फोरलेन हाइवे पर हादसा

» अभी दो मृतकों की नहीं हो सकी है शिनाख्त

जौनपुर। प्रदेश के जौनपुर में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जौनपुर में बदलापुर कोतवाली इलाके के वाराणसी-लखनऊ फोरलेन हाइवे पर आज भोर लगभग तीन बजे ट्रक और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। दरअसल, रात में एक पिकअप गाड़ी टेम्पो ट्रैवलर को टोचन कर लखनऊ की तरफ जा रही थी, जैसे ही वह फत्तूपुर गांव स्थित जैसवार ढाबे के सामने पहुंची वैसे ही सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की घटना स्थल पर मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि घटना में टैम्पो ट्रैवलर का चालक जो पिकअप में बैठा था उसकी जेब से मिले डीएल से उसकी पहचान परवेज अख्तर पुत्र आलमगीर निवासी रेवासा थाना सकलडीहा जनपद चंदौली के रूप में हुई जबकि अन्य दो की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस तीनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हादसे में दो दोस्तों की मौत

मुजफ्फरनगर। शाहपुर में मुजफ्फरनगर-बुढ़ाना मार्ग पर थाना क्षेत्र की हरसौली पुलिस चौकी के पास होंडा सिटी कार की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई जबकि तीसरा गंभीर घायल है। थाना क्षेत्र के गांव पलड़ी निवासी अनिल (30) पुत्र छोटा, संदीप (28) पुत्र सूरजभान और सुधीर पुत्र केशव बाइक से किसी कार्य से मुजफ्फरनगर जा रहे थे। जब वह थाना क्षेत्र की हरसौली पुलिस चौकी के पास पहुंचे तो सामने से आ रही होंडा सिटी कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अनिल और संदीप की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सुधीर गंभीर रूप से घायल हो गया।

कार ने बाइक सवार दो होमगार्डों को रौंदा

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सोन नदी पुल पर आज अनियंत्रित कार के रौंदने से बाइक सवार दो होमगार्डों की मौत हो गयी। महुआव मारकुंडी निवासी दीनानाथ 40 वर्ष व कोटिया अदलगंज निवासी लालमणि 45 वर्ष होमगार्ड के पद पर तैनात थे। वे ड्यूटी करने ओबरा थाने गए थे। आज भोर दोनों ड्यूटी करने के बाद एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वे चोपन में सोन नदी पुल पर पहुंचे तो एक ट्रक खराब होकर पहले से ही पुल पर खड़ा था। वे ट्रक के पीछे रुक गए। इसी दौरान पीछे से आ रही कार उन्हें रौंदते हुए खड़े ट्रक में जा घुसी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

वीआरएस पीरियड पर हैं शिंदे गुट के बागी नेता

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव होने की संभावना है क्योंकि शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अगले छह महीने में गिर सकती है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि पवार ने आखिर क्यों कहा कि छह महीने में गिर जायेगी शिंदे सरकार? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, तुलसीदास भोइटे, समीरात्मज मिश्रा, डॉ. राकेश पाठक और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

तुलसीदास भोइटे ने कहा जिस दल के पास 106 विधायक है वो शिंदे यानी 39 विधायकों वाले दल को समर्थन कर रहा मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी। इससे साफ है कि दाल में कुछ काला

है। महाराष्ट्र में जो खेला हुआ वो पहले से तय था। स्क्रिप्ट पहले से ही लिखी गई। यहां मध्याविधि चुनाव होगा ये तो समय ही बताएगा। डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि महाराष्ट्र के बारे में आकलन करना अब बड़ा दुरूह होता जा रहा है क्योंकि उसमें इतनी गुत्थियां हैं कि उसे सुलझाना अब आसान नहीं है। शरद पवार अब तक अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहे। अब उनका ये बयान यूं ही नहीं आया कुछ तो करिश्मा होगा। इसका संदेश समझना बहुत जरूरी है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

समीरात्मज मिश्रा ने कहा महाराष्ट्र में जो विधायक बगावत करके गए हैं, अगर चुनाव में उतरे तो उन्हें कहीं न कहीं इसका नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि आप जब फील्ड में जाएंगे तो कई मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। यह भय तो कहीं नहीं शरद पवार विधायकों को बताना चाह रहे हैं कि अभी भी मौका है, लौट आओ। तीर जो छोड़ा है ये बड़ा संदेश है कि चुनाव की तैयारी शुरू कर दो क्योंकि सरकार पता नहीं कितने दिन चले।

अशोक वानखेड़े ने कहा, शरद पवार विपक्ष में है तो वे ये तो कहेंगे नहीं कि सरकार अपना समय पूरा कर ले। यही कहेंगे सरकार गिर जाएगी या गिराने की कोशिश करेंगे। नैतिकता के हमाम में कोई पाक साफ नहीं है, सब नंगे हैं। ये सत्ता का खेल है, इसे समझना आसान नहीं। ये जो शिंदे के साथ गए, राजनीतिक वीआरएस पर गए है। वीआरएस परिणाम भी देगा। वीआरएस पीरियड पर है शिंदे गुट के बागी नेता, ये माजरा है।

अगले महीने उप राष्ट्रपति चुनाव भाजपा ने अभी नहीं खोले पत्ते

» नामांकन शुरू, चुनाव की अधिसूचना जारी

» वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को हो रहा समाप्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में उप राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके तहत 6 अगस्त को होने वाले उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया भी आज यानी मंगलवार से शुरू हो गई है। 19 जुलाई तक नामांकन दाखिल होंगे। पत्रों की जांच 20 जुलाई तक की जाएगी और 22 जुलाई तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

बता दें कि मौजूदा उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया तब शुरू होती है, जब निर्वाचन आयोग अधिसूचना जारी करता है और मतदाताओं से अगला उप राष्ट्रपति चुनने को कहता है। भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को इस चुनाव में

स्पष्ट बढ़त हासिल है। इस चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य वोट देने के पात्र होते हैं, जिसमें मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं। राजनीतिक दलों ने चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा अभी तक नहीं की है। अब राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोई उपचुनाव या द्विवार्षिक चुनाव नहीं होगा, ऐसे में उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल यानी इलेक्टोरल रोल 775 सदस्यों का है। इसमें लोकसभा के 543 और राज्यसभा के 232 सदस्य शामिल हैं।

चुनाव में वोटों की गणित

राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को सहयोगियों और मित्र दलों के समर्थन की जरूरत है लेकिन उप राष्ट्रपति चुनाव में उसके पास अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त वोट हैं। उप राष्ट्रपति के चुनाव में केवल लोकसभा और राज्यसभा के सांसद वोट करते हैं। इसमें संसद के नामित सदस्य भी मतदान कर सकते हैं। उप राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा के पास 395 सांसद या वोट हैं जो जीत के जादुई आंकड़े 388 से सात ज्यादा हैं। अब तक भाजपा की अगुआई वाले एनडीए और विपक्ष ने अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं।

उप राष्ट्रपति के लिए भाजपा में इन नामों की चर्चा

उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की घोषणा अभी पक्ष और विपक्ष दो तरफ से नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा उप राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया जा सकता है। कैप्टन के जल्द ही अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय करने की तैयारी के बाद इस चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। वहीं उप राष्ट्रपति पद के लिए राजग के प्रत्याशी के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का नाम भी दौड़ में शामिल है।

राहुल गांधी के बयान को गलत ढंग से दिखाने वाला एंकर हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा में जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन को आज स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन पर राहुल गांधी के बयान को गलत संदर्भ में टीवी पर प्रसारित करने का आरोप है। इस मसले पर एंकर अपनी गलती मानते हुए पहले ही माफी मांग चुके हैं। एंकर ने वायनाड़ के मसले पर दिये गये राहुल गांधी के बयान को उदयपुर में हुई टेलर की हत्या से जुड़ा बताया था। इस पर विवाद के बाद उनके खिलाफ कई जगहों शिकायत दर्ज हुई। आज सुबह जब छत्तीसगढ़ की पुलिस एंकर रोहित को अरेस्ट करने गाजियाबाद में उनके घर पहुंची। इस पर एंकर ने यूपी पुलिस से मदद मांगी ली। फिर नोएडा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और एंकर को हिरासत में लेकर अपने साथ चली गई। इस दौरान यूपी पुलिस और छत्तीसगढ़ पुलिस की आपस में काफी नोंकझोंक भी हुई। माना जा रहा है कि यूपी पुलिस ने एंकर को इसलिए ही हिरासत में लिया है ताकि छत्तीसगढ़ पुलिस उन्हें अरेस्ट ना कर पाये। टीवी एंकर के खिलाफ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में केस रजिस्टर हुए थे। राजस्थान में कांग्रेस नेता राम सिंह ने बनीपार्क पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था।

» छत्तीसगढ़ पुलिस के गिरफ्तार करने से पहले पहुंची नोएडा पुलिस

राम की पैड़ी पर अब बाइक स्टंट का वीडियो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» स्थानीय प्रशासन पर उठ रहे सवाल

लखनऊ। अयोध्या की राम की पैड़ी पर हर रोज हजारों की संख्या में लोग आते हैं और स्नान करते हैं। हाल ही में एक दंपती के पैड़ी में अश्लीलता करने पर स्थानीय लोगों ने उसकी पिटाई कर दी थी, जिसकी चर्चा पूरे देश में हुई थी। अब सरयू की जलधारा में एक युवक का बाइक से स्टंट करते वीडियो वायरल हो रहा है। युवक सिर्फ अंडरवियर में है और नदी में बाइक चला रहा है।

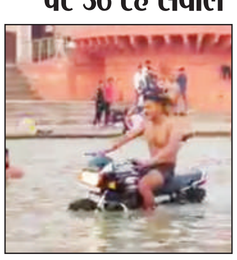

आसपास कुछ लोग स्नान कर रहे हैं जिनमें महिलाएं भी हैं। बता दें कि यहां सरयू घाट पर अक्सर लोगों के डूबने की भी घटनाएं होती रहती हैं। लोगों की इन हरकतों की वजह से प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे हैं। हर रोज इतनी बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के बावजूद कुछ लोग कैसे मनमानी कर लेते हैं। युवक का सरयू नदी में बाइक चलाते वीडियो वायरल हो रहा है। अयोध्या कोतवाली के नया घाट और लक्ष्मण घाट चौकी के बीच का क्षेत्र राम की पैड़ी कहलाता है।

सपा का साथ छोड़ सकते हैं रेवती रमण, भाजपा में जाने की अटकलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पूर्व सांसद रेवती रमण की रणनीति का इंतजार

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण सिंह की राज्य सभा की सदस्यता खत्म हो चुकी है। अब उनके अगले कदम का इंतजार है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति नाराजगी तथा पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच रेवती रमण सिंह के सामने खुद के सियासी सफर के साथ बेटे उज्जवल रमण सिंह के लिए भी जमीन तैयार करने की चुनौती होगी।

रेवती रमण का यमुनापार की सियासत में चार दशक से मजबूत हस्तक्षेप रहा है। उनके पुत्र उज्जवल रमण सिंह भी करछना से दो बार विधायक रह चुके हैं। इसी मजबूत जनाधार के आधार पर वह पार्टी के शीर्ष नेताओं में शामिल रहे लेकिन अब उनके सियासी सफर को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। विधानसभा चुनाव में उनके पुत्र उज्जवल को हार मिली थी। वहीं रेवती रमण सिंह की राज्य सभा की सदस्यता भी रविवार को समाप्त हो गई लेकिन

पार्टी ने उन्हें दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया। इस पर वह शीर्ष नेतृत्व से नाराजगी जता चुके हैं। अब उनके पार्टी छोड़ने की चर्चा भी है। यह भी कहा जा रहा है कि वह भाजपा में अपनी नई पारी की शुरू कर सकते हैं। विधानसभा चुनाव से पहले भी इस तरह की चर्चा रही तथा उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से बात की थी। अब राज्य सभा का उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद इस तरह की चर्चा फिर शुरू हो गई है।

बुलडोजर नीति पर एनएचआरसी में केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूपी में मनमाने ढंग से बुलडोजर का प्रयोग करते हुए अचानक कोई घर, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर आदि गिरा देने के प्रकरणों में मानवाधिकार उल्लंघन की संभावना के संबंध में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर तथा डॉ नूतन ठाकुर द्वारा भेजी गयी शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

अमिताभ ठाकुर ने अपनी शिकायत में कहा था कि यूपी में कुछ समय से बुलडोजर नीति की चर्चा चल रही है। यद्यपि यह बिलकुल स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में इस प्रकार की कोई शासकीय नीति है या नहीं और क्या इसके लिए प्रदेश में कोई अधिनियम, नियम, शासनादेश आदि निर्गत हुआ है। लगातार लोगों के घर गिराए जा रहे हैं और शासन-प्रशासन द्वारा किसी कथित गुंडे, माफिया, अराजक तत्व आदि का अवैध निर्माण गिरा कर त्वरित न्याय की बात कही जा रही है। अमिताभ और नूतन ने कहा था कि भले यह सुनने में अच्छा लगे पर अत्यंत खतरनाक है क्योंकि इसके दुरुपयोग की असीम संभावनाएं हैं। इनका आम नागरिक के मानवाधिकारों से सीधा संबंध है। उन्होंने आयोग के अध्यक्ष से अब तक गिराए गए निर्माण का ब्यौरा, कारण व विधिक प्रक्रिया तलब कर इनके संबंध में निर्णय लेने का अनुरोध किया था।

हाईकोर्ट ने कहा, अपराधियों को राजनीति से बाहर करने के लिए उठाएं ठोस कदम

» संसद और भारत निर्वाचन आयोग पर की तल्ख टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कहा है कि संसद और भारत निर्वाचन आयोग को राजनीति से अपराधियों को बाहर करने के लिए समुचित कदम उठाने चाहिए। राजनेताओं, अपराधियों और नौकरशाहों के बीच का अपवित्र गठजोड़ मिटा देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस दिशा में उचित कदम उठाने को कहा है किंतु अभी तक चुनाव आयोग और संसद ने ऐसा करने के लिए सामूहिक इच्छा शक्ति नहीं दिखाई है।

यह टिप्पणी जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने बसपा सांसद अतुल कुमार सिंह उर्फ अतुल

राय की जमानत अर्जी खारिज करते हुए की। राय अपने खिलाफ दर्ज केस को वापस करने के लिए पीड़िता और उसके गवाह पर नाजायज दबाव बनाने के आरोप में जेल में बंद हैं। उनके दबाव के कारण पीड़िता और उसके गवाह ने सुप्रीम कोर्ट के सामने फेसबुक पर लाइव आकर आत्महत्या का प्रयास किया था। गंभीर अवस्था में दोनों को अस्पताल में दाखिल किया गया था जहां उनकी मौत हो गई थी। इस केस में हजरतगंज थाने में सांसद राय और पूर्व आइपीएस अमिताभ ठाकुर पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राय के केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि उनके खिलाफ कुल 23 मुकदमों का आपराधिक इतिहास है। कोर्ट ने यह भी पाया कि 2004 की लोकसभा में 24 प्रतिशत, 2009 की लोकसभा में 30 प्रतिशत, 2014 की लोकसभा में 34 प्रतिशत तो वहीं 2019 की लोकसभा में 43 प्रतिशत सदस्य आपराधिक छवि वाले हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह संसद की सामूहिक जिम्मेदारी है कि अपराधिक छवि वाले लोगों को राजनीति में आने से रोके और लोकतंत्र को बचाए। चूंकि संसद और आयोग आवश्यक कदम नहीं उठा रहे हैं इसलिए लोकतंत्र अपराधियों, ठगों और कानून तोडऩे वालों के हाथों में सरक रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।